वैश्वीकरण के बदलते परिवेश में बिहार के ग्रामीण स्वास्थ्य की समस्याएँ एवं संभावनाएँ

अजय कुमार साह

डॉ. मोहन कुमार लाल

देश की कुल आबादी में बिहार का हिस्सा 8.58 प्रतिशत है। स्पष्ट है इतनी बड़ी आबादी के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को पहुँचना आसान काम नहीं है। सभी को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने के लिए सर्वप्रथम जनसंख्या पर नियंत्रण जरूरी है। बिहार में जागरूकता की कमी है। जागरूकता पैदा करने में सरकार के साथ–साथ स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका अहम है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सर्वप्रथम विभाग में लगी भ्रष्टाचार की दीमक को साफ करना होगा। साथ ही सामाजिक स्तर पर भी नजरिया बदलने के प्रसास करने होंगे। स्वस्थ रहने का तात्पर्य शारीरिक, मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना है। स्वास्थ्य किसी भी समाज में प्रगति के लिए अनिवार्य है। बेहतर स्वास्थ्य के अभाव में समाज पिछड़ जाता है।